भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2210 का उत्तर

कल्याण-मुरबाड लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण

2210. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा वर्ष 2023 में अनुमोदित महाराष्ट्र के भिवंडी में कल्याण से मुरबाड नई रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 1600 करोड़ रुपये कब तक उपलब्ध कराए जाने की संभावना है;

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या भिवंडी रोड रेल स्टेशन पर ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) लोकल ट्रेन संपर्क के लिए सर्वेक्षण कराने और नियमित स्थानीय रेल सेवा शुरू करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या दोनों परियोजनाओं-कल्याण से कसारा तीसरी लाइन और कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन का कार्य धीमी गति से चल रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो उक्त परियोजना पर कार्य में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं/उठाए जाने की संभावना है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): कल्याण- मुरबाड (28 कि.मी.) नई लाइन परियोजना को महाराष्ट्र सरकार के साथ लागत में 50:50 साझेदारी के आधार पर 836.12 करोड़ रुपए की लागत पर फरवरी, 2023 में

मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के लिए 214 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है। इसे भूमि अधिग्रहण के लिए विशेष रेल परियोजना घोषित किया गया है और तदनुसार इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। भूमि अधिग्रहण का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रस्तुत किया गया है और यह अधिग्रहण के विभिन्न चरणों में है। रेलवे, राज्य सरकार के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण करता है। भूमि की दर राज्य सरकार के प्राधिकरणों द्वारा तय की जाती है। तय की गई राशि रेलवे द्वारा संबंधित राज्य सरकार के प्राधिकरणों के पास जमा कराई जाती है, जो प्रभावित पक्षों को मुआवजा राशि वितरित करते हैं।

भिवंडी रोड पर वर्तमान में 25 जोड़ी नियमित रेलगाड़ियाँ चल रही हैं, जिनमें 17 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस सेवाएँ और 8 जोड़ी पैसेंजर सेवाएँ शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में नई रेलगाड़ियाँ शुरू करना सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

कल्याण-कसारा तीसरी लाइन के कार्य में 16.68 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन शामिल है। हाल ही में चरण-1 में सैद्धांतिक मंजूरी और कार्य करने की अनुमति प्राप्त की गई है। कल्याण-कसारा तीसरी लाइन के लिए सभी निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और कार्य शुरू कर दिया गया है।

कल्याण- आसनगांव चौथी लाइन को विशेष रेलवे परियोजना घोषित किया गया है। तदनुसार, भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेलवे परियोजनाओं को राज्य-वार नहीं बल्कि, क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत किया जाता है, क्योंकि भारतीय रेलवे की परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। हालाँकि, 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूरी तरह/आंशिक रूप से पड़ने वाली 41 रेल परियोजनाएँ (16 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण), जिनकी कुल लंबाई 5,877 किलोमीटर है और जिनकी लागत 81,580 करोड़ रुपए है, योजना तथा

कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,926 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 31,236 करोड़ रुपए का व्यय हो चुका है।

कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

वर्ग	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	16	2,017	166	8,529
आमान परिवर्तन	2	609	312	3,332
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	23	3,251	1,448	19,376
कुल	41	5,877	1,926	31,237

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने आने वाली अवसंरचनात्मक ढांचा परियोजनाओं और अन्य कार्यों के लिए औसत बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	व्यय
2009-14	रु. 1,171 करोड़/वर्ष
2024-25	15940 करोड़ रुपए (13 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की कमीशनिंग का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 किमी	58.4 किमी/वर्ष
2014-24	1,830 किमी	183 किमी/वर्ष (3 गुना से अधिक)

इसके अलावा, महाराष्ट्र में प्रमुख हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना पर निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। अब 100% भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। पुल, जलसेतु आदि का कार्य शुरू हो चुका है। समुद्र के नीचे लगभग 21 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने के लिए 3 टीबीएम के ऑर्डर भी दिए गए हैं। इस बीच, टीबीएम के कार्य करने के लिए आवश्यक सभी प्रारंभिक कार्य जैसे शाफ्ट का निर्माण आदि भी शुरू कर दिए गए हैं।

पश्चिमी डीएफसी महाराष्ट्र से होकर भी गुजरता है। पश्चिमी डीएफसी का लगभग 178 किलोमीटर मार्ग महाराष्ट्र में स्थित है, जो पश्चिमी डीएफसी की कुल मार्ग लंबाई का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड से न्यू वैतरणा तक इस परियोजना का 76 किलोमीटर हिस्सा पहले ही चालू हो चुका है। शेष कार्य शुरू हो चुके हैं। डब्ल्यूडीएफसी को जेएनपीटी से जोड़ने से बंदरगाह से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात को संभालने की क्षमता बढ़ेगी।

****